Teli Samaj
तेली समाज: एक जीवंत पुरालेख
तेल की बूंदों से लेकर साम्राज्य निर्माण तक का
अनकहा ऐतिहासिक सफर
TELISOCIETY.COM

The Iceberg of Teli Community History: Perception vs. Reality
Teli Samaj
आम धारणा: केवल 'तेल पेरने और बेचने' वाला व्यापारिक समुदाय।
TELISOCIETY.COM
साम्राज्य निर्माता: गुप्त वंश और गुर्जर-प्रतिहार काल के संरक्षक।
योद्धा और रक्षक: मुगलों से लोहा लेने वाले राठौड़ और सम्राट हेमू विक्रमादित्य।
आध्यात्मिक स्तंभ: नाथ संप्रदाय के गुरु और भक्ति आंदोलन के संत।
समाज सुधारक: दलितों और पिछड़ों को आरक्षण देने वाले युगपुरुष।

Teli Samaj

उत्पत्ति के तीन मुख्य आधार

पौराणिक (Mythological)

भगवान शिव के आशीर्वाद से कोल्हू का निर्माण और गणेश जी के हाथी व्यापार से जुड़ी लोककथाएं (जैसे मिर्जापुर की किंवदंती)।

व्यावसायिक (Occupational)

प्राचीन भारत में कृषि और व्यापार का मूल आधार; तिलहन उत्पादन और प्रकाश (मशाल) की व्यवस्था करने वाले।

वंशावली (Lineage)

ऐतिहासिक दबावों और युद्धों के कारण अपना व्यवसाय बदलने वाले राठौड़ राजपूत और गुजरात के मोड़ बनिया।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj
अहिंसा का प्रभाव और वर्ण व्यवस्था
में ऐतिहासिक परिवर्तन
मूल स्थिति
(क्षत्रिय/वैश्य)
-समाज में व्यापार,
कृषि और सैन्य रक्षा
के प्रमुख स्तंभ।
जैन और बौद्ध धर्म
का प्रभाव
(5वीं सदी के बाद)
अहिंसा का
नया मानदंड
हल चलाना, बीज
और तिलहन पेरना
हिंसक कार्य माना
जाने लगा।
स्मृतिकारों का
नया वर्गीकरण
वर्ण परिवर्तन
दबाव के चलते तेल
उत्पादन करने वालों
को शुद्र
वर्ण में वर्गीकृत
किया गया।
TELISOCIETY.COM

गुप्त साम्राज्य और तेलाधक वंश

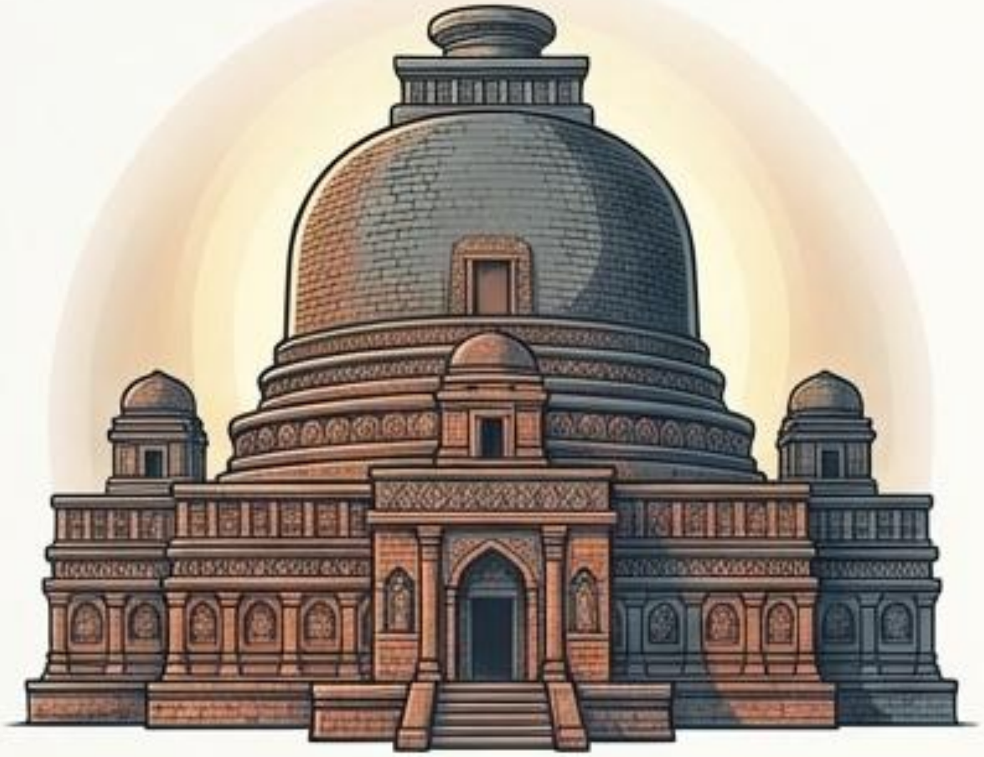

चीनी यात्री ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) के ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, नालंदा विश्वविद्यालय के भव्य प्रवेश द्वार और स्तूप का निर्माण राजा बालादित्य ने करवाया था।

ह्वेनसांग ने राजा बालादित्य को 'तेलाधक वंश' का बताया। इतिहाहासारों (कनिंघम, जेम्स) ने गुप्त वंश को तेली समुदाय से जोड़ा है।

इसी ऐतिहासिक गौरव के आधार पर आज भी उत्तर भारत के तेली संगठनों के ध्वज में गुप्त साम्राज्य का राजचिह्न 'गरुड़' स्थापित है।

Teli Samaj
TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

पत्थरों पर उकेरा गया वैभव: ग्वालियर का 'तेली का मंदिर'

निर्माण काल: 9वीं सदी (गुर्जर-प्रतिहार काल)।

विशेषता: यह उत्तर और दक्षिण भारतीय वास्तुकला का एक अद्भुत संगम है।

इतिहास: इसे किसी राजा ने नहीं, बल्कि तेल के व्यापारियों के एक शक्तिशाली संघ (Guild) ने अपने धन और प्रभाव से बनवाया था। यह समुदाय की अपार आर्थिक शक्ति और धर्मार्थ कार्यों का प्रमाण है।

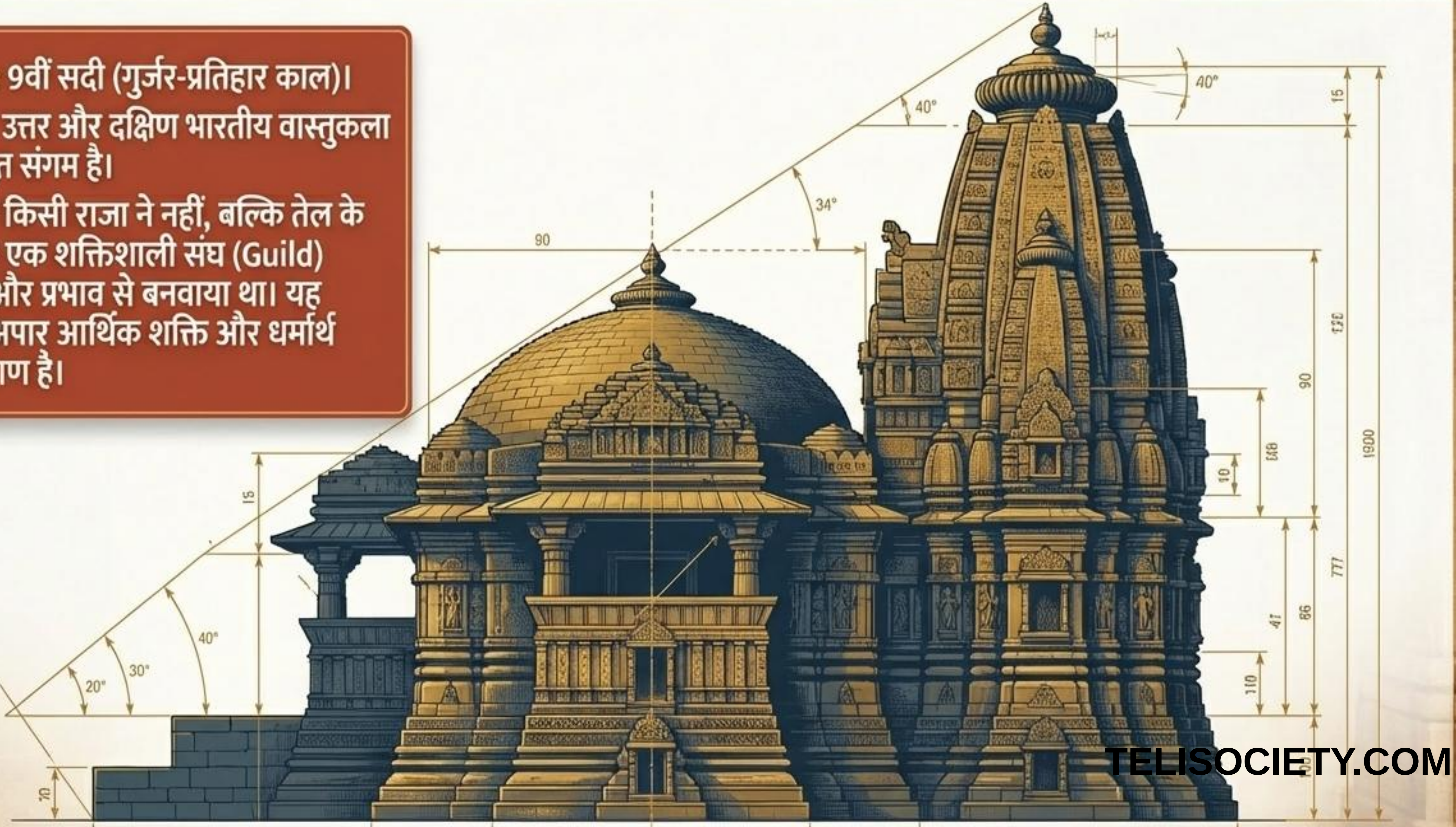

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj
एक समुदाय, अनेक पहचान: भारत भर में सांस्कृतिक विस्तार
घांची / मोड़ घांची
(Ghanchi)
पारंपारिक तेल उत्पादक; राठौड़ राजपूतों का व्यवसाय परिवर्तन।
साहू (Sahu)
अर्थ: सज्जन या धैर्यवान। व्यापार और साहूकारी में प्रमुख।
शेख मंसूरी / मुस्लिम तेली / तेली मलिक
धर्मातरण के बाद भी अपनी मूल कला और पहचान को सहेजने वाले।
चेट्टियार / गनीगा / वन्नियार
(Chettiar/Ganiga)
दक्षिण भारत के प्रमुख व्यापारी और मंदिर संरक्षक।
TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

वटवृक्ष की शाखाएं: उप-समुदायों का तुलनात्मक विश्लेषण

मुख्य क्षेत्र	उत्पत्ति/वंश	ऐतिहासिक संदर्भ	वर्तमान पहचान
बिहार, यूपी, छ.ग.	वैश्य / व्यापारिक मूल	बुंदेलखंड युद्धों के कारण विदर्भ और अन्य क्षेत्रों में प्रवास	साहू (Sahu)
राजस्थान, म.प्र.	गहरवार/राष्ट्रकूट (क्षत्रिय)	मुगलों के दमन और धर्म रक्षा हेतु व्यवसाय बदला	राठौड़ तेली (Rathore)
गुजरात	बनिया / राजपूत मूल	जैन अहिंसा नियमों के कारण संघर्ष और अनुकूलन	मोड़ घांची (Modh Ghanchi)
उत्तर भारत, पाकिस्तान	हिंदू तेली मूल	ऐतिहासिक दबाव या सूफी प्रभाव में इस्लाम अपनाया	शेख मंसूरी / तेली मलिक

TELISOCIETY.COM

राष्ट्र रक्षक: तलवार और कूटनीति के धनी

सम्राट हेमू विक्रमादित्य

पृष्ठभूमि: रेवाड़ी के व्यापारी से दिल्ली के शासक तक।

योगदान: मध्यकाल में दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाले अंतिम हिंदू सम्राट, जिन्होंने 22 युद्ध जीते।

दानवीर भामाशाह

पृष्ठभूमि: मेवाड़ के श्रेष्ठी (समुदाय इन्हें अपना मानता है)।

योगदान: महाराणा प्रताप को मुगलों से लड़ने के लिए अपनी पूरी संपत्ति दान कर दी।

वीरांगना ताई तेलिन

पृष्ठभूमि: राजिम, छत्तीसगढ़।

योगदान: सतारा किले की रक्षा में अद्वितीय अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

राठौड़ तेली: धर्म और प्राण रक्षा हेतु तलवार छोड़ कोल्हू अपनाना

राष्ट्रकूट → गहरवार (कन्नौज) → राठौड़ राजपूत → राठौड़ तेली

इतिहासकार बताते हैं कि कन्नौज के पतन और मुगलों के भीषण दमन चक्र (16वीं-17वीं सदी) के दौरान हजारों क्षत्रियों ने अपनी पहचान छिपाने और बलपूर्वक धर्मांतरण से बचने के लिए अपना पेशा बदला।

1191 ई. की एक घटना: गुजरात के चालुक्य राजा सिद्धराज के रुद्र महालय निर्माण के दौरान क्षत्रियों को बलपूर्वक मशाल्लों के लिए तेल निकालने के काम में लगाया गया। तिरस्कार से बचने के लिए वे आबू चले गए और हमेशा के लिए 'राठौड़ तेली' बन गए—लेकिन अपना स्वाभिमान और मूल गोत्र नहीं छोड़ा।

TELISOCIETY.COM

आध्यात्मिक क्रांति: गुरु गोरखनाथ और नाथ संप्रदाय

9वीं सदी में ब्राह्मणवादी चतुर्वर्ण व्यवस्था के प्रबल विरोधी और हठयोग के प्रणेता गुरु गोरखनाथ का प्रादुर्भाव हुआ। तेली समाज उन्हें अपना पूर्वज और मार्गदर्शक मानता है।

“जाति मेरी तेली”

गुरु गोरखनाथ ने ऊंच-नीच का भेद मिटाया और जन-भाषा को अपने 40 से अधिक महान ग्रंथों (गोरक्ष संहिता, अवधूत गीता) का माध्यम बनाया। उनके प्रभाव ने समाज को एक नई आध्यात्मिक पहचान दी।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

भक्ति आंदोलन की ध्वजवाहक: आस्था और समर्पण

भक्त कर्मा बाई (पूरी)

भगवान जगन्नाथ की परम भक्त। इनकी निस्वार्थ भक्ति के कारण आज भी जगन्नाथ पुरी के मंदिर में सबसे पहले 'कर्मा बाई की खिचड़ी' का भोग लगाया जाता है।

भक्त राजिम माता (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ में राजिम लोचन मंदिर का जीर्णोद्धार। महानदी के तट पर बसा 'राजिम' नगर इन्हीं के नाम पर है, जो आस्था और त्याग का महातीर्थ है।

TELISOCIETY.COM

संताजी जगनाडे: जिन्होंने साहित्य को जल समाधि से बचाया

Teli Samaj

महाराष्ट्र के तेली परिवार में जन्मे संताजी जगनाडे महाराज, महान संत तुकाराम के प्रमुख शिष्य थे। जब रूढ़िवादियों ने संत तुकाराम की अभंग गाथाओं (पांडुलिपियों) को इंद्रायणी नदी में डुबा दिया, तो यह संताजी की अलौकिक स्मरण शक्ति ही थी जिसने उन हजारों अभंगों को फिर से लिखकर सहेज लिया।

यदि संताजी नहीं होते, तो आज महाराष्ट्र की सबसे महान साहित्यिक धरोहर ‘तुकाराम गाथा’ हमेशा के लिए नदी की गहराइयों में खो गई होती।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

सामाजिक न्याय के अग्रदूत: छत्रपति शाहू महाराज

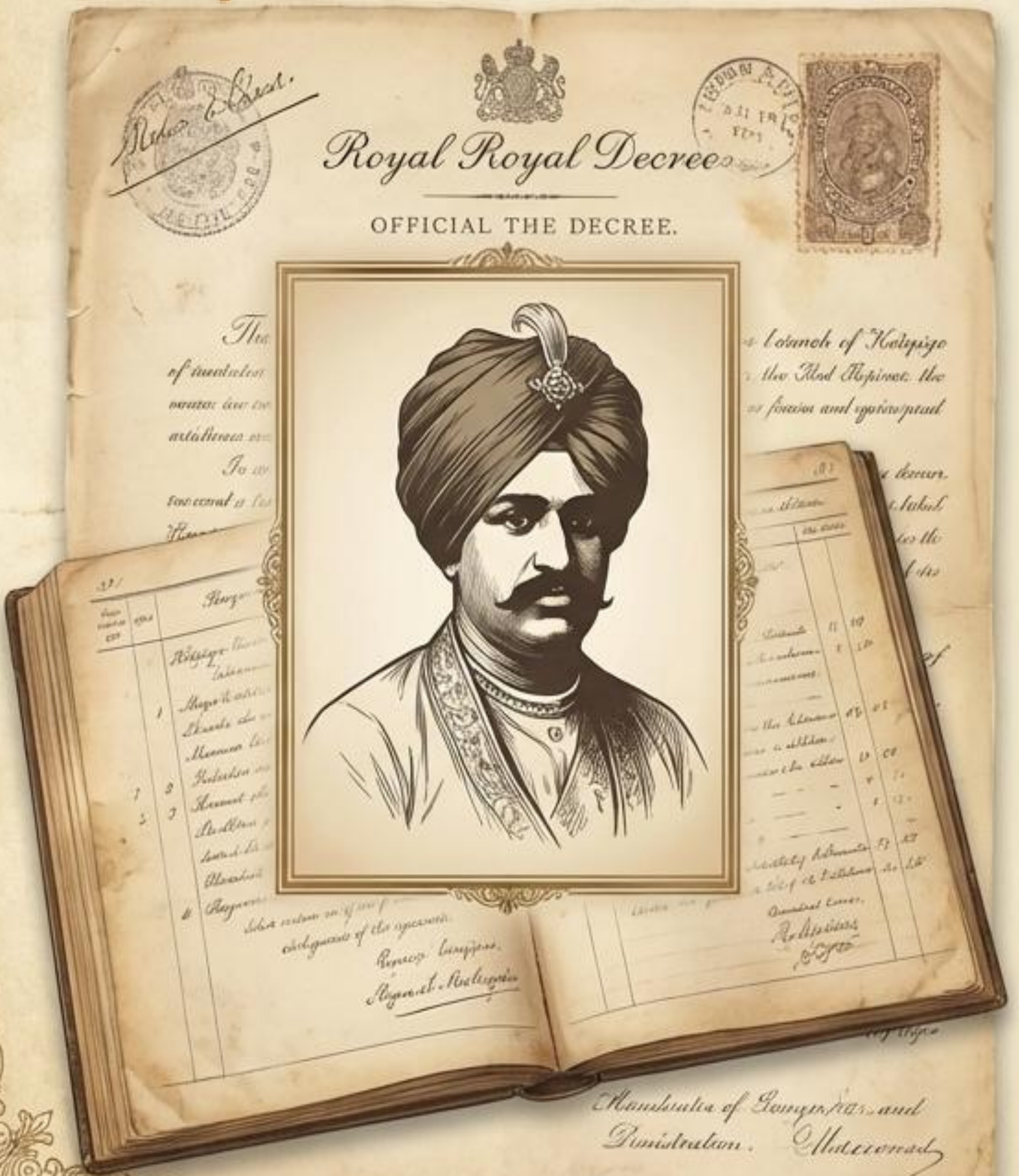

राजा होते हुए भी जिन्हेंने दलितों और शोषित वर्गो के दर्द को अपना माना। तेली समाज उनके आदर्शों को अपना प्रेरणास्रोत मानता है।

1. **1902 का ऐतिहासिक फरमान:** कोल्हापुर रियासत में पिछड़ी जातियों के लिए 50% आरक्षण लागू किया—भारत में आरक्षण के असली जनक।
2. **शिक्षा क्रांति:** अछूतों और पिछड़ों के लिए स्कूल और छात्रावासों की स्थापना।
3. **आर्थिक मुक्ति:** महारों (दलितों) को भूस्वामी बनने का हक दिलाकर उन्हें गुलामी से मुक्त किया।

TELISOCIETY.COM

स्वतंत्रता संग्राम: राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान

देश को जब-जब जरूरत पड़ी, साहू/तेली समाज के महापुरूषों ने अपनी कुर्बानी दी है।

भगवान दीन साहू: 13 दिसंबर 1919 के जलियांवाला बाग कांड और उसके बाद के संघर्षों से प्रेरित होकर, चौरी-चौरा कांड के अमर शहीदों में 23 वर्षीय **भगवान दीन साहू** का नाम प्रमुख था। अंग्रेजों ने उन्हें गोलियों से भून डाला, लेकिन उन्होंने स्वतंत्रता की लौ को बुझने नहीं दिया।

Teli Samaj
TELISOCIETY.COM

आधुनिक भारत के निर्माता: वर्तमान में राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण

राष्ट्रीय नेतृत्व: श्री नरेंद्र मोदी
(प्रधानमंत्री – मोड़ घांची, गुजरात)

कर्नाटक: बी.एस. येदियुरप्पा
(पूर्व मुख्यमंत्री – गनीगा तेली)

झारखंड: रघुवर दास
(पूर्व मुख्यमंत्री – साहू समाज)

आजाद भारत के पहले वित्त मंत्री: आर.के. शण्मुखम चेट्टी
(वन्नियार चेट्टियार)

गांधी परिवार से जुड़ाव: गोपाल कृष्ण गांधी
(मोड़ बनिया घांची परंपरा)

Teli Samaj
TELISOCIETY.COM

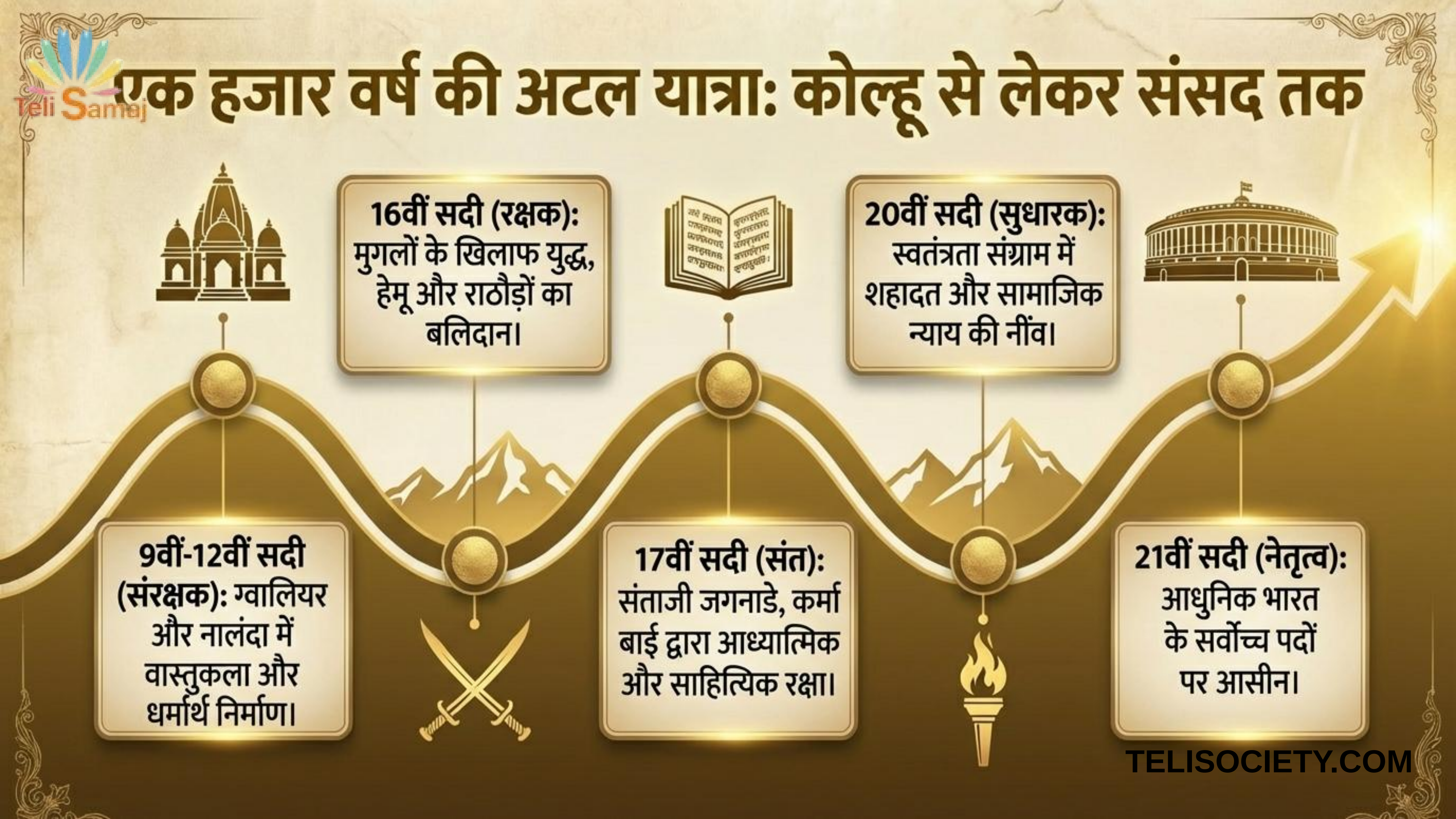
Teli Samaj
एक हजार वर्ष की अटल यात्रा: कोल्हू से लेकर संसद तक
9वीं-12वीं सदी (संरक्षक): ग्वालियर और नालंदा में वास्तुकला और धर्मार्थ निर्माण।
16वीं सदी (रक्षक): मुगलों के खिलाफ युद्ध, हेमू और राठौड़ों का बलिदान।
17वीं सदी (संत): संताजी जगनाडे, कर्मा बाई द्वारा आध्यात्मिक और साहित्यिक रक्षा।
20वीं सदी (सुधारक): स्वतंत्रता संग्राम में शहादत और सामाजिक न्याय की नींव।
21वीं सदी (नेतृत्व): आधुनिक भारत के सर्वोच्च पदों पर आसीन।
TELISOCIETY.COM

Teli Samaj
जड़ें गहरी, शाखाएं अनंत
तेली समाज का इतिहास केवल एक व्यवसाय का इतिहास नहीं है।
यह उन योद्धाओं, संतों, निर्माताओं और राष्ट्रनायकों का ‘जीवंत पुरालेख’ है
जिन्होंने समय की हर कसौटी पर खुद को सिद्ध किया है।
जो समुदाय अपने इतिहास पर गर्व करता है, वही एक मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकता है।
‘गर्व से कहो, हम तेली हैं।’
TELISOCIETY.COM